भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-4364

दिनांक 28, मार्च 2017 के लिए प्रश्न

विषय: डेयरी पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि

4364. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः
श्री आधलराव पाटील शिवाजीरावः
श्री राहुल शेवालेः
श्री आनंदराव अडसुलः
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ मुंडेः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसमें डेयरी प्रणाली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यदि हां, तो क्या दुग्ध की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए डेयरी पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि करने की आवश्यकता है;

(ख) देश में ही और आयात से दुग्ध और दुग्ध उत्पादों की मांग को किस सीमा तक पूरा किया जाता है;

(ग) क्या अच्छी गुणवत्ता वाले पशु आहार और खनिज मिश्रण प्रदान करने हेतु ठोस प्रयास करने और विभिन्न श्रेणी के पशुओं हेतु विभिन्न प्रकार के पशु आहार को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है;

(घ) क्या सही प्रकार के पशु आहार के उत्पादन के लिए योग्य प्रशिक्षित श्रमशक्ति, कुशल संयंत्रों और मशीनरी और तकनीकी विशेषता की आवश्यकता है; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार सही प्रकार के पशु आहार के उत्पादन के लिए श्रमशक्ति को प्रशिक्षण प्रदान करने, कुशल संयंत्र और मशीनरी अधिष्ठापित करने और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री सुदर्शन भगत

भाग (क) और (ख) जी, हां। दूध की बढ़ती मांग को प्राप्त करने हेतु दूध के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हेतु भारत सरकार निम्नलिखित कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रही है: (क) राष्ट्रीय बोवाईन प्रजनन और डेयरी विकास कार्यक्रम; (ख) राष्ट्रीय गोकुल मिशन; (ग) राष्ट्रीय डेयरी योजना- I और (घ) राष्ट्रीय बोवाईन उत्पादकता मिशन। वर्ष 2015-16 के दौरान देश में दूध उत्पादन 155.50 मि. टन रहा और मांग को प्राप्त करने हेतु यह पर्याप्त है। तथापि, 2015-16 के दौरान 51,420.31 मीट्रिक टन उन्नत दूध और दूध उत्पादों का आयात किया गया।

भाग (ग) से (ड.) भारत सरकार द्वारा मानव श्रम सक्षम संयंत्र एवं मशीनरी की स्थापना करने और अच्छे किस्म के आहार के उत्पादन तथा तकनीकी विशेषज्ञता की सहायता निम्नलिखित योजनाओं के तहत दी जा रही है; (क) राष्ट्रीय बोवाईन प्रजनन और डेयरी विकास कार्यक्रम; (ख) राष्ट्रीय गोकुल मिशन; (ग) राष्ट्रीय डेयरी योजना- I; (घ) राष्ट्रीय बोवाईन उत्पादकता मिशन; (ड.) डेयरी उद्यमशीलता विकास योजना; (च) राष्ट्रीय पशुधन मिशन और (छ) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण।

******